नारी से लक्ष्मी बनी---
शिव की सजनी बनी---
हर गुण में धनी बनी---
ज्ञान से शक्ति बनी---
योग से सम्पूर्ण बनी--
मीठी वाणी से वीना बजाती---
नजरो से निहाल करती---
यज्ञ की पालना करती--
सुखो से सबकी झोली भरती---
निश्छल प्रेम से दिल लुटती---
समस्या सबकी हल करती---
निर्भय निडर सदा वो रहती---
चेहरे चलन में दिव्य दिखती---
संकट में भी वो हलकी रहती---

सरस्वती लक्ष्मी दुर्गा बनी----
सबके लिये मिसाल बनी----
तीव्र पुरषार्थ से नम्बरवन बनी---
कृष्ण की गोपी बनी---
राधे से मम्मा बनी---
ब्रह्मा की बेटी बनी---
जगत कलायानकारी बनी----
विशव की महारानी बनी----
सर्वगुण संपन्न बनी---

जगत की अम्भा बनी---
काम धेनु बनी---
शक्तियों की चालक बनी---

हांजी की पार्ट में अवल बनी----
सबसे अलग निराली बनी----
देह भान से न्यारी बनी---
प्रभु की पसंद प्यारी बनी----
करके श्रृंगार हंस परी बनी----
महिमा के गायन योग्य बनी---
घर घर में पूजनीय बनी---
रूहानी सेना की अधयक्ष बनी---
निर्मल बनी स्वच्छ बनी----
सबके लिये रहम दिल बनी---
बाप की दिल तख़्त पर चढी----
मम्मा मेरी मम्मा मेरी---
ममता की मूर्त---
मम्मा मेरी मम्मा मेरी---
मातेश्वरी जगतअम्बा बनी---

ॐ शांति !!